राजधानी से प्रकाशित

अंदाज-ए-लखनऊ

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-11 अंक-28 | लखनऊ, शुक्रवार 26 फरवरी 2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य-1.00 रूपया

मॉल में चोरी करते पकड़ा गया लखनऊ कमिश्नरेट का सिपाही, गेट का सायरन बजा तो खुली पोल

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात कुछ पुलिसकर्मियों की हरकत से पुलिस महकमे को शर्मसार होना पड़ रहा है। मोहनलालगंज इंस्पेक्टर के महिला फरियादी को गाना सुनाने के बाद अब एक सिपाही चोरी के आरोप में पकड़ा गया है। हुसैनगंज स्थित वीमार्ट में वर्दी पहनकर खरीदारी करने गए सिपाही को कपड़ा चोरी कर निकलते हुए कर्मचारियों ने पकड़ लिया। आरोपित सिपाही की कर्मचारियों ने जमकर पिटाई कर दी। इंटरनेट मीडिया पर मामला वायरल होने के बाद उच्चाधिकारी हरकत में आए और सिपाही को निलंबित कर दिया गया। हुआ यूं कि पुलिस लाइन में तैनात सिपाही आदेश कुमार खरीदारी के बहाने वीमार्ट में गया था। कुछ देर तक इधर उधर टहलने के बाद वह ट्रायल रूम में चला गया। आरोप है कि आरोपित सिपाही ने तीन शर्ट पहनकर ऊपर से वर्दी पहन ली और बाहर निकलने लगा। इसी बीच गेट पर लगा सायरन बज गया। गार्ड ने सिपाही को रोक लिया। इस दौरान कई कर्मचारी वहां एकत्र हो गए। चेकिंग के दौरान पता चला कि सिपाही कपड़े चोरी कर ले जा रहा था। इसके बाद कुछ लोगों ने सिपाही की पिटाई कर दी। इसका वीडियो बनाकर लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात सिपाही की शर्मनाक करतूत। वी मार्ट के ट्रायल रूम में वर्दी के नीचे पहनी तीन शर्ट। चोरी कर बाहर निकलते समय बजा सायरन तो गार्ड ने पकड़ा। सिपाही की लोगों ने की पिटाई। देर हुई आने में तुमको% गाने के बाद चोरी की घटना से चर्चा में राजधानी पुलिस। गुरुवार को वीडियो वायरल होने के बाद सिपाही को निलंबित करने के आदेश दिए गए। इंस्पेक्टर हुसैनगंज दिनेश कुमार बिष्ट के मुताबिक सिपाही और वीमार्ट के कर्मचारियों ने आपस में समझौता कर लिया था। सिपाही ने कपड़े के रुपये जमा कर रशीद कटवा ली थी और वापस चला गया था। सिपाही के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर छानबीन की जाएगी। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट करने वालों की पहचान कर रही है। हालांकि अभी तक पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उधर, इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो को देखकर लोग तरह तरह की चर्चा कर रहे हैं

वर्दी के नशे में चूर सिपाही ने पहले तो रौब में लेने का किया प्रयास लेकिन मॉल के कर्मचारियों और भीड़ ने सिपाही की पिटाई कर दी पुलिस को सूचना । ट्रायल रूम में वर्दी के नीचे तीन शर्ट छिपाकर जा रहा था।

पुडुचेरी में पीएम मोदी ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास,कहा-यह भूमि सुंदर है

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुरुवार को चुनावी राज्य पुडुचेरी के दौरे पर हैं। पीएम मोदी पुडुचेरी पहुंच चुके हैं और वहां पर उन्होंने कई परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान पुडुचेरी की उपराज्यपाल तमिलसाई सुंदरराजन भी मौजूद रहीं। इस दौरान पीएम मोदी ने आम जनता को संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा पनी विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत को विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। एनएच 45-ए की 4 लेन की आधारशिला रखी गई है, इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी और आर्थिक गतिविधियों की गति बढ़ेगी। पीएम मोदी ने कहा आज, हम विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत का जश्न मनाते हैं जो पुडुचेरी के लोगों के जीवन को बेहतर बनाएंगे। पूरे भारत में हमारे किसान मोहनत करके नई नई फसलें उगा रहे हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि उनकी उपज को अच्छा बाजार मिले यह सुनिश्चित किया जाए। अच्छी सड़कें ठीक यही करती हैं। सड़क का फोर लेनिंग भी इस क्षेत्र में उद्योगों को आकर्षित करेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा पुडुचेरी के लोग प्रतिभाशाली हैं। यह भूमि सुंदर है। मैं पुडुचेरी के विकास के लिए अपनी सरकार की ओर से व्यक्तिगत रूप से हर संभव सहायता का आश्वासन देने के लिए यहाँ हूँ।

बीजेपी ने किया अब उत्तर प्रदेश की ओर रुख, जेपी नड्डा जाएंगे वाराणसी

वाराणसी पश्चिम बंगाल के साथ ही पांच अन्य राज्यों में प्रस्तावित चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश में भी त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कमर कस ली है। गांव की सरकार के गठन में अपनी मजबूती के लिए भाजपा कोई कसर छोडने को तैयार नहीं है। इसे पार्टी बड़े अभियान के तौर पर ले रही है। इसी क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 28 फरवरी से दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आ रहे हैं। वाराणसी के महानगर अध्यक्ष विद्यासगार राय ने बताया कि 28 फरवरी को दो दिवसीय काशी प्रवास के प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इन कार्यक्रमों में काशी क्षेत्र के सभी 16 जिलों के पदाधिकारियों की बैठक, जनप्रतिनिधियों की बैठक तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रमुखों की बैठक करेंगे। इससे पहले काशी क्षेत्र के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि रामनाथ चौधरी शोध संस्थान में विशेष वर्ग के साथ एक बैठक रखी गयी है।

पुलिस ने 48 घंटे के अंदर किया खुलासा, बच्चियों पर हमला कर हत्या करने वाला दरिन्दा गिरफ्तार

दुष्कर्म में नाकाम होने पर घटना को अंजाम दिया

शाहजहाँपुर । जनपद के थाना काँट के ग्राम भानपुर में दो बच्चियों पर हुए जानलेवा हमले का पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार जेल भेज दिया हैं।

दुष्कर्म में नाकाम होने पर घटना को अंजाम दिया। बच्चियों को बिस्किट का लालच देकर सरसो के खेत मे ले गया था, आरोपी धारधार हथियार से बच्चियों पर किया था हमला। घटना में प्रयुक्त लोहे की राड, कपड़े साइकिल, बिस्किट, पैकेट बरामद। गिहार समाज का है आरोपी अनिल। शहद निकालने का काम करता है गिहार अनिल उर्फ चमेली अजिजगंज के रहने वाला है।

आप को बता दे दो दिन पहले सरसों के खेत में 5 साल की बच्ची का शव गांव खिजर पुर में मिला था। दूसरी घायल बच्ची बरेली में इलाज चल रहा है। इस गंभीर एवं सनसनीखेज घटना का खुलासा राजेश कुमार पांडे पुलिस महानिरीक्षक बरेली द्वारा घटना का निरीक्षण किया गया घटना के अति शीघ्र ही 48 घंटे के अंदर खुलासा किया गया। इस घटना के बारे में प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि एक अपराधी जिसका नाम चमेली है जो बरेली मोड़ के पास अजीजगंज में रहता है और शहद निकालने एवं जंगली जानवरों को मारने के लिए गांव जाया करता था। घटना वाले दिन उसको बिस्कुट के पैकेट खरीदते हुए देखा गया तथा साइकिल पर बच्चों को बैठा कर ले जाते हुए देखने की गांव वालों ने पुष्टि की है। इस सूचना पर घटना के संदिग्ध चमेली को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो अभी द्वारा घटित घटना को स्वीकार किया है।

इस संबंध में थाना कांठ में संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना के बारे में प्रेस के सामने आरोपी अनिल उर्फ चमेली गिहार से पूछने पर बताएगा कि उस दिन में मैंने दोनों बच्चों को बिस्कुट का लालच देकर समझा-बुझाकर एवं पहला फुसलाकर अपनी साइकिल पर बैठा लिया तथा उसके दूर सरसों के खेत में ले जाकर दुष्कर्म करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुआ। उसके शोर मचाने पर मुझे गुस्सा आ गया और अपनी खंती से चेहरे पर मारा उसे मरा समझकर छोड़ दिया। छेटी लड़की ने घटना को देख लिया था और भागने लगी तो मैंने करीब 100 मीटर दूर दौड़कर करने को खेत में पकड़ लिया और मार दिया।इसके बाद वहां से भाग निकला।

पुलिस ने आरोपी के पास से हत्या में प्रयुक्त लोहे की खंती का लकड़ी का वेट, खून सने कपड़े, घटना में प्रयुक्त साइकिल बिस्किट के पैकेट बरामद किए हैं। 22 तारीख की रात को घटना थाना काट के ग्राम भानपुर में घटित हुई। देर रात में सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक एस आनंद सहित तमाम फोर्स गांव गया और उन्होंने एक बच्ची को मृत पाया जबकि दूसरे की हालत खराब थी। एक बच्ची जिसका इलाज बरेली के एक अस्पताल में चल रहा है। उसकी हालत अभी भी कोमा जैसी बनी हुई है।उधर पुलिस महानिरीक्षक राजेश पांडे ने प्रेस वार्ता में इस बात को भी स्वीकारा मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर में चाइल्ड केयर यूनिट की व्यवस्था बहुत अच्छी नहीं है और अच्छे डॉक्टर ना उपलब्ध होने के कारण उन्होंने गम्भीर रूप से घायल बच्ची को देखरेख के लिए बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया है।

भाजपा सरकार ने महंगाई से आम आदमी की तोड़ी कमर- सुखवीर

शाहजहाँपुर/तिलहर ।बुधवार को तहसील परिसर सपाइयों के हल्ला बोल से गूंज उठा ।समाजवादी प्रबुद्ध सभा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुखबीर सिंह चौहान एडवोकेट के नेतृत्व में जमा हुए दर्जनों कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार के विरुद्ध अपनी भड़ास निकालते हुए जमकर नारेबाजी की ।सपा कार्यकर्ताओं का मिजाज काफी दिनों के बाद इतना आक्रमक प्रदर्शन के दौरान नजर आया।

निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुखबीर सिंह चौहान ने केंद्र सरकार पर हल्ला बोलते हुए कहा कि भाजपा शासनकाल में प्रतिदिन डीजल,पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतें आसमान को छू रही है जिसके चलते ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया कमरतोड़ महंगाई के चलते आम जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। महंगाई से सर्वाधिक महिलाएं और उनकी रसोई प्रभावित हुई है ।इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार ने एक वर्ष से चीनी मिलों पर बकाया गन्ना भुगतान देने का वादा किया था जो कि अधूरा रह गया तो वही नए सत्र में 14 दिनों के अंदर गन्ना भुगतान का आश्वासन दिया परन्तु इसे भी पूरा करने में प्रदेश सरकार सफल नहीं तो वहीं दूसरी तरफ किसानों की समस्याएं बढ़ती जा रही है उन्हें डीजल,बीज,खाद,पानी,मजदूरी का भुगतान नगद रूप में करना पड़ता है।

उन्होंने व्यंग्य कसते हुए कहा कि अपने लोन पर सरकार ब्याज वसूलती है लेकिन किसानों के फंसे हुए भुगतान पर कोई ब्याज सरकार क्यों नहीं देती श्री चौहान ने कहा कि किसान अपने बच्चों की फीस और भरण-पोषण करने में असमर्थ लाचार होकर आत्महत्या करने को मजबूर है ।सरकार को चाहिए कि जल्द ब्याज सहित भुगतान किसानों का दिलाए ।सपा के निवर्तमान प्रदेश सचिव उपेंद्र पाल सिंह ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई बढ़ने से गन्ने की फसल की लागत काफी बढ़ गई है लेकिन सरकार ने पिछले 4 वर्षों से गन्ने का समर्थन मूल्य रत्ती भर भी नहीं है जिस कारण किसानों को भारी घाटा हो रहा है इसलिए अभिलंब गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाया जाए। सपा व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष सौरभ गुप्ता(रवि)ने प्रदेश सरकार का ध्यान प्रदेश की ध्वस्त हो रही कानून व्यवस्था की तरफ आकर्षित करते हुए कहा कि प्रदेश में महिलाओं पर नियंत्रण अत्याचार बढ़ रहे हैं बलात्कार और हत्याओं कि प्रदेश में मानों बाढ़ सी आ गई है ।बुलंदशहर और उन्नाव जैसी घटनाएं इसका ज्वलंत

उदाहरण है ।साथ ही उन्होंने उन्नाव में दलित युवतियों की हत्या की सीबीआई जांच कराने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है ।सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि समस्या निस्तारण न होने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा ।इस मौके पर सपा नेताओं ने राज्यपाल को संबोधित 4 सूत्री ज्ञापन उप जिलाधिकारी की गैरमौजूदगी में तहसीलदार जबकि गुप्ता को सौंपा ।इस दौरान अनिल रस्तोगी तनवीर रजा शशांक गुप्ता परवेज बेग धर्मेंद्र शाक्य सपा नगर महासचिव रवि यादव आफाक मंसूरी रियासत अली शिशुपाल अंकित यादव विजेंद्र यादव शोएब रजा लालबाबू विकास अजय राहुल वर्मा भूपेंद्र कुमार मनोज यादव राजेंद्र यादव दिलीप यादव शिवम हरिओम रजनीश आदि सपाई मौजूद रहे।

मासूम बच्ची की हत्या ने सरकार के दावे की भी पोल खोल कर रख दी है -तनवीर खां

शाहजहाँपुर । काँट थाना क्षेत्र के गांव में दो बच्चियों के अपहरण के बाद एक बच्ची की हत्या व एक घायल अवस्था मे खेत मे मिलने से हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार के परिजनों से सपा के जिलाध्यक्ष तनवीर खां मिलने पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधवाया और कहा कि अज्ञात बदमाशों द्वारा दो बच्चियों का अपहरण कर एक बच्ची की निर्ममता पूर्वक हत्या और एक साल की बच्ची को पीट-पीट कर मरणासन्न करने की घटना की

जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस बर्बर घटना में कानून व्यवस्था की चूले हिला कर रख दी है। साथ ही सरकार के दावे की भी पोल खोल कर रख दी है। उन्होंने कहा कि सरकार मृतक बच्ची के आश्रितों को 50 लाख व मरणासन्न बच्ची के परिजनों को 25 लाख रुपये मुआवजा देकर अभियुक्तों को तत्काल गिरफ्तार करे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक बच्चियों के गुनाहगारों का सुराग नहीं लगा पायी है। यदि इस भीषण घटना में दोषियों के खिलाफ शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो समाजवादी पार्टी खामोश नहीं बैठेगी। श्री खां ने इस घटना का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है। पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दोनों मासूम बच्चियां मदरसे में पढ़ने के लिए गयी थी। जहां से उनका अपहरण किया गया। जिसमें एक बच्ची की हत्या कर दी गयी और दूसरी की हत्या का प्रयास किया गया। इस घटना ने जिले की कानून व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। महिला और छोटी बच्चियों के साथ दिल दहलाने वाले अपराध से हर कोई भयभीत है। उन्होंने घटना के शीघ्र खुलासे की मांग की है। इस दौरान पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा, रणंजय सिंह यादव, नीरज मिश्रा, मिश्रीलाल पटेल, अब्दुल सत्तार, आनंद शुक्ला, शफीकुर्रहमान, रफत खां, आरिफ आदि लोग मौजूद रहे।

हेल्पलाइन फाउंडेशन ने अग्नि दुर्घटना से पीड़ित परिवार को दस हजार रूपये का सौंपा चेक

शाहजहाँपुर । आपका साथ हेल्पलाइन फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह कुशवाहा ने ग्राम गुनारा में विगत दिनों झोपडी में आग लगने से जलकर मरने बाली दस बर्षीय बच्ची राहीना के परिजनों से मुलाकात की और परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुये मृतका के पिता शमीम को संस्था की तरफ से 10 हजार रूपये का चेक देकर आर्थिक मदद करते हुए हर सम्भव मदद करने की बात कही। इस दौरान संस्था के सहयोगी सदस्य विनीत द्विवेदी, सुधीर कुशवाहा, वीरन पाठक, अवधेश प्रताप सिंह, नौशाद खान आदि लोग मौजूद रहे है।

निलांश ग्रुप में पुरानी रेलवे सेंडिंग मवैया मिल रोड ऐशबाग में किया साँई संध्या का आयोजन

लखनऊ . आज दिनांक 21 फरवरी 2021 दिन रविवार को निलांश ग्रुप में पुरानी रेलवे सेंडिंग मवैया मिल रोड ऐशबाग में किया साँई संध्या का आयोजन ।

लंबे लॉक डाउन व कोरोना संक्रमण के बाद आर्थिक मंदी से परेशान लखनऊ

के लोगों के लिए खुशहाली व अच्छे स्वास्थ्य के लिए नीलांस ग्रुप के सी0एम0डी0 सतीश श्रीवास्तव ने अर्जी लगाते हुए साई संध्या का आयोजन किया। तथा प्रसाद वितरण कर लोगों को नीलांश वाटर पार्क में घूमने के लिए पास देकर एक सुनहरा अवसर भी प्रदान किया ।संध्या का पूजन श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट शिरडी अहमदनगर महाराष्ट्र के वरिष्ठ पुजारी श्री रमेश भानुदास जोशी जी व श्री उमेश तुकाराम पाठक जी द्वारा कराया गया संध्या के मौके पर शहर के गरीब से गरीब व शहर की जानी-मानी हस्तियां भी मौजूद रही। चाहे शासन हो या प्रशासन सभी लोग इस मौके पर दर्शन करते दिखाई दिए । ऐसा लग रहा था मानो शिरडी वाले साईं बाबा लखनऊ में प्रकट हो गए हैं इस मौके पर वर्तमान सरकार की महापौर सहित कई मंत्री भी दर्शन करते दिखाई दिए । प्रशासनिक आला अधिकारी भी देखने को नजर आए ।शिरडी साईं दरबार जैसा सादा भोजन का भी आनंद लोगों ने उठाया। संध्या के तत्पश्चात भजन गायन जानी सूची दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभी भक्त एक जैसी पगड़ी सिर पर बांधे दिखाई दिए। कोरोना महामारी के कारण सरकारी गाइड लाइन का भी पालन करते लोग दिखे। गेट पर सेनीटाइजर व मास्क भी वितरण किया गया ।

आगरा के गांव बेरी चाहर में हत्या के बाद तनाव, पुलिस फोर्स किया गया है तैनात

आगरा। कागारौल के बेरी चाहर में पानी के विवाद में गोली मारकर हत्या की घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति है। पुलिस ने हत्यारोपित पूर्व फौजी और उसके चचेरे भाई को गिरफ्तार किया है। जिस लाइसेंसी बंदूक से हत्या करने की बात कही गई है।उसे भी बरामद कर लिया है। पूर्व फौजी का चचेरा भाई भी आइटीबीपी में जवान है। घटना के बाद से गांव में दहशत है। घटना गुरुवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे की थी। कागारौल के गांव बेरी चाहर निवासी हरदम उर्फ पप्पू सिंह पुत्र परमाल सिंह के पड़ोस में पूर्व फौजी राजेश सिंह और उसका चचेरा भाई उमेश सिंह रहता है। उमेश सिंह, इंडो तिब्बत बार्डर पुलिस (आइटीबीपी) में जवान है। पूर्व फौजी पाइप लाइन में टिल्लू पंप लगाकर पानी भर रहा था। पप्पू सिंह का मकान ऊंचाई पर होने के चलते उसके घर तक पानी नहीं आया। इस पर उसने पूर्व फौजी राजेश द्वारा पाइप लाइन में टिल्लू पंप लगाने का विरोध किया। इसे लेकर दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हो गई ।पूर्व फौजी राजेश सिंह और उसका चचेरा भाई उमेश उस समय घर पर थे। दोनों ओर के लोगों मे जमकर लाठी-डंडे चले। इसमें पप्पू सिंह का भई खुशीराम,

धर्मवीर, हरिओम और गोवर्धन घायल हो गए। जबकि राजेश पक्ष की एक महिला भी घायल हो गई। इसके बाद रात साढ़े आठ बजे पूर्व फौजी राजेश ओर आइटीबीपी में जवान उसके चचेरे भाई उमेश ने लाइसेंसी बंदूक लेकर पप्पू सिंह के घर पर हमला बोल दिया ।आरोपितों ने पप्पू सिंह के लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दी। जो उसके सीने में लगी, पप्पू की मौके पर मौत हो गई। इसके बाद गांव में दहशत फैलाने के लिए दोनों आरोपितों ने ताबड़तोड़ कई राउंड फायर किए। हत्या की जानकारी होने पर एसपी ग्रामण सत्यजीत गुप्ता और सीओ महेश कुमार समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि आरोपितों से लाइसेंसी बंदूक बरामद की है। मृतक के भतीजे मोनू ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पप्पू सिंह और पूर्व फौजी राजेश के परिवारों के बीच सात दिन से तनातनी चल रही थी। राजेश टेलर था। बताया जाता है दोनों के बीच एक सप्ताह पहले भी विवाद हुआ था। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई कर दी थी। इसमें मृतक पक्ष के खुशहाल सिंह समेत कई लोगों को पुलिस ने पाबंद कर दिया था। वह शाम को घर लौट आए थे। इसे लेकर भी राजेश खुन्नस खा गया था।

आगरा में केनरा बैंक लूटने वाले मुकेश ठाकुर और उसके गुर्गों को 10 दिन में भी नहीं पकड़ सकी पुलिस

आगरा। बैंक लूटने के बाद मुकेश ठाकुर अपने गैंग के साथ फरार है। पुलिस को गैंग के बारे में जानकारी हो चुकी है। इसके बाद भी मुकेश ठाकुर और उसके गुर्गों तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है।

इरादत नगर के डूंडीपुरा खेड़िया स्थित केनरा बैंक में 15 फरवरी को बाइक सवार बदमाशों ने धावा बोला था। बदमाशों ने बैंक में फायरिंग कर दहशत फैला दी। इसके बाद कैशियर के पास रखे 6.77 लाख रुपये लूट लिए थे। सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग के आधार पर बदमाशों की पहचान मुकेश ठाकुर के गैंग के रूप में हो गई। इसमें मुकेश के साथी अजीत और मोनी भी शामिल थे। इसी गैंग ने जगनेर में नवंबर 2020 में पेट्रोल पंप पर लूट की थी। इसके अलावा छत्ता के काला महल में व्यापारी के कर्मचारी को भी गोली मारी थी। गोली मारने वाली घटना में शामिल मलपुरा निवासी हरिओम बघेल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मगर, अभी तक मुकेश ठाकुर और उसके गुर्गों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस ने उप्र के साथ-साथ राजस्थान और मध्यप्रदेश में भी कई ठिकानों पर दबिश दी। मगर, बदमाश अभी तक हाथ नहीं आए हैं। मुकेश ठाकुर गैंग के कुछ बदमाशों को धौलपुर पुलिस जेल भेज चुकी है। मुकेश की गिरफ्तारी को धौलपुर पुलिस भी प्रयास कर रही है। मगर, अभी तक सफलता नहीं मिली है।

एमजी रोड पर नहीं मान रहे रिक्शा चालक, एक ही दिन में 35 के हो गए चालान

आगरा। शहर की लाइफ लाइन एमजी रोड पर आए दिन जाम की समस्या को देखते हुए पुलिस ने ई-रिक्शा और सामान्य रिक्शा पर गुरवार से प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस ने गुरुवार को अभियान चलाया। ई-रिक्शा और रिक्शा चालकों को एमजी रोड पर प्रतिबंध लगाने की जानकारी दी। इसके बावजूद जो लोग नहीं माने उनके खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने 35 ई-रिक्शा के चालान किए। जबकि 15 सीज किए।

एसपी सिटी बोत्रे रोहन प्रमोद ने बताया कि एमजी रोड पर आए दिन जाम की समस्या को देखते हुए पिछले दिनों सर्वे किया गया था। यह सर्वे भगवान टाकीज से लेकर प्रतापपुरा चौराहे तक किया गया था। इस दौरान पाया गया कि ई-रिक्शा और रिक्शा के चलते एमजी रोड पर ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो जाती है। इससे जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। विशेष रूप

से साईं की तकिया, कलक्ट्रेट तिराहा, सेंट जोंस चौराहा और हरीपर्वत पर जाम लगता है। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इसे लेकर बुधवार को सदर,रकाबगंज, नाई की मंडी, एमएम गेट,हरीपर्वत और न्यू आगरा के थाना प्रभारियों के साथ एसपी सिटी ने बैठक की थी। इसमें ई-रिक्शा, सामान्य रिक्शा के एमजी रोड पर चलने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया। एसपी सिटी ने बताया गुरुवार को इसे लेकर संबंधित थानों ने अभियान चलाया। सुभाष पार्क पर चेकिंग के दौरान 50 ई-रिक्शा और रिक्शों को लाया गया। इनमें 15 को सीज और बाकी का चालान किया गया।

पंचायत चुनाव के लिए दो मार्च को जारी हो सकता है वार्डों का आरक्षण

आगरा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। ग्राम पंचायत प्रधानों के साथ ही ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायत के सदस्यों के वार्ड का आरक्षण और आवंटन दो मार्च को जारी हो सकता है। विकास भवन में इसके लिए तैयारी लगभग अंतिम चरण में हैं।

690 ग्राम पंचायतों में से 354 ग्राम पंचायतें सामान्य श्रेणी, 154 ग्राम पंचायतें अनुसूचित जाति, 182 ग्राम पंचायतें अन्य पिछड़ा वर्ग, 57 ग्राम पंचायतें अनुसूचित जाति महिला, 66 ग्राम पंचायतें अन्य पिछड़ा वर्ग महिला, 112 ग्राम पंचायतें सामान्य वर्ग महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। गत 12 फरवरी को ये शासन से निर्धारित हो गया था लेकिन कौन सी ग्राम पंचायत किस श्रेणी के लिए आरक्षित होगी, इसका निर्धारण स्थानीय स्तर पर होना है। वर्ष 2011 की जनसंख्या के आधार पर इनका निर्धारण होना है। बताया जा रहा है कि स्थानीय स्तर पर इसकी सूची लगभग तैयार हो चुकी है। दो मार्च को आरक्षण और आवंटन की सूची का प्रकाशन हो सकता है। चार से आठ मार्च के बीच लोग अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद स्थानीय स्तर पर आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। 13 मार्च को आरक्षण और आवंटन की अंतिम सूची का प्रकाशन होगा। बता दें कि अधिकांश दावेदारों की धड़कन आरक्षण आवंटन में ही अटकी है। उन्हें डर है कि अंतिम वक्त पर कहीं, उनके वार्ड का आरक्षण न बदल जाए। इसके चलते वह प्रचार-प्रसार को गति नहीं दे पा रहे। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तारीख अभी तय नहीं है। हालांकि चुनाव की तैयारियां काफी जोरों पर हैं।

सम्पादकीय

विदेश नीति का पुनरीक्षण

दक्षिण पूर्व एशिया में हमारी विदेश नीति कितनी कामयाब है, इसे देखने की आवश्यकता है। इन देशों में पाकिस्तान से हमारी पुरानी नाराजगी जगजाहिर है। बाकी देशों से भी संबंध सुधरते नजर नहीं आते। हमने अमेरिकी और पश्चिमी देशों के दबाव में म्यांमार के मामले में जो नीति अपनायी है, वह चाहे नैतिक आधार पर जितना भी सही हो, लेकिन उससे हमें कोई फायदा नहीं होगा। बांग्लादेश से भी संबंध पहले जैसे नहीं है। बांग्लादेश बेल्ट एण्ड रोड इनीशिएटिव में चीन के साथ जा रहा है और उसमें चीनी निवेश बढ़ रहा है। श्रीलंका ने पहले दक्षिण श्रीलंका के एक बंदरगाह के मामले में हमारे साथ हुए समझौते को रद कर दिया, जिससे उसी का फायदा था। अब उत्तरी श्रीलंका में जाफना के पास हमारी सीमा से केवल 50 किलोमीटर की दूरी पर एक संयंत्र के निर्माण में हमारी आर्थिक मदद की जगह चीन से कर्ज लेना श्रेष्यकर समझा। यह अत्यंत खेदजनक था। श्रीलंका से थोड़ी दूर पर स्थित मालद्वीव में हमारे विदेश मंत्री जयशंकर गये थे और उन्होंने मालद्वीव से एक सामरिक रूप से अहम समझौता किया था। यह समझौता उनके और मालद्वीव की विदेश मंत्री सुश्री मरियम दीदी के बीच हुआ था, परन्तु संसद में इसका विरोध हो रहा है। 80 सांसदों में से 51 ने इस पर विस्तृत बहस के लिए नोटिस दे रखा है और अब इस समझौते के मूल रूप में क्रियान्वयन की कोई उम्मीद नहीं है। सांसदों ने विशेष रूप से इस पर जोर दिया है कि किसी भी हाल में मालद्वीव की जमीन पर किसी विदेशी फौज का बूट नहीं पडने दिया जायेगा। इससे पहले भारत ने तट रक्षा के लिए दो हेलीकाप्टर दिये थे, परन्तु उन्हें भी मालद्वीव ने इसी बुनियाद पर लौटा दिया था। पाकिस्तान और चीन से तो हमारे संबंध खराब हैं ही, इधर हमने अमेरिकी दबाव में ईरान से भी संबंध खराब कर लिये हैं और इस कारण अब पाकिस्तान और ईरान काफी नजदीक आ रहे हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान का श्रीलंका का दौरा हमें इस क्षेत्र में अलग-थलग करने की एक कोशिश है। कोविड-19 के कारण देश में बाहरी देशों द्वारा निवेश भी बहुत कम हो गया है। इसका कारण यह है कि लगभग सभी देशों में इस महामारी की वजह से आर्थिक संकट है। चीन अकेला देश है, जो इस समय भी निवेश कर रहा है, परन्तु हमने उसके द्वारा देश में निवेश पर बहुत प्रतिबंध लगा दिया है। 2019-20 में चीन साढ़े तीन बिलियन डॉलर का नया निवेश किया था, जो इस साल घटकर उसके आधे से भी कम 1.5 बिलियन डॉलर रह गया है। अर्थशास्त्रियों का विचार है कि सीमा पर तनाव अपनी जगह है, परन्तु निवेश रोकने का कोई तार्किक कारण नजर नहीं आता, क्योंकि इसमें हम लोगों का ही फायदा था। चीन और रूस के नजदीक आने से रूस से भी हमारे संबंध अब वैसे नहीं रह जाएंगे, जैसे कि पहले थे। नेपाल से हमारा तनाव चल रहा है और इसके पीछे चीनी कूटनीति ही है। ले देकर केवल नन्हा भूटान ही हमारे साथ है, परन्तु वहां भी राजनीतिक लोगों का एक समूह हमारे द्वारा भूटान की नीतियों पर नियंत्रण के विरूद्ध खड़ा हो रहा है। यह समूह अन्य देशों में भूटान के दूतावास खोले जाने का पक्षधर है। यदि हम अपने आस-पास के देशों से संबंध नहीं सुधार सकते तो फिर हिन्द पैसेफिक या क्वाड का कोई बहुत महत्व नहीं रह जाता। अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि आप पड़ोसी नहीं बदल सकते। उनके साथ आपको रहना ही है तो संबंध ठीक करना आवश्यक ही है।

चीन सीमा पर सकारात्मक शुरुआत

डॉ संजीव कुमार

इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बीते कई महीनों से जारी तनाव के मद्देनजर भारत और चीन के बीच नौ दौर की वार्ता हुई और अब दोनों पक्षों की सहमति के बाद सैनिकों को पीछे हटाने की कवायद शुरू हुई है. संसद में रक्षामंत्री ने चीनी सेना की वापसी के बारे में बयान दिया था. अभी 21 तारीख को 10वें दौर की वार्ता संपन्न हुई है. नौ दौर की वार्ता के बाद जो आपसी सहमति बनी, उससे एक अच्छी शुरुआत की बुनियाद तैयार हुई.

सैनिकों को पीछे हटाने के बारे जो आधिकारिक तौर पर शुरुआती जानकारी मिल रही है, उसमें यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों पक्ष अप्रैल, 2020 के पूर्व वाली स्थिति में जायेंगे. हालांकि, यह सकारात्मक शुरुआत है और दोनों पक्षों के बीच पैंगोंग सो इलाके में सहमति बनी है. दोनों तरफसे कुछ समय के लिए सैन्य अधिस्थगन की घोषणा हुई है, वहां एक विसैन्यीकृत जोन (डिमिलिट्राइज्ड जोन) बन रहा है. लेकिन, एलएसी पर कई इलाकों में विवाद की स्थिति है. उन सभी इलाकों के लिए बातचीत जारी है. उनमें से कई बारे में अभी सार्वजनिक तौर पर जानकारी उपलब्ध नहीं है. लेकिन, पश्चिमी क्षेत्र में विवाद को देखते हुए यह अच्छी शुरुआत है. आगे की स्थिति अभी चल रही वार्ता पर निर्भर करेगी. चीन की तरफसे ही एलएसी की स्थिति में परिवर्तन की कोशिश की गयी थी. उसने एलएसी पर सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी थी. चीन का यह कदम भारत तथा चीन के बीच पूर्व में हुए समझौतों के खिलाफ था. अभी जिस तरह से सैनिकों को पीछे हटाने के लिए चीन तैयार हुआ है, उस मामले में हम कह सकते हैं कि भारत की तरफसे जरूरी दबाव बनाया गया. अगस्त में भारत के विशेष सीमा बल ने कैलाश रेंज में कुछ स्थानों पर कब्जा किया, उससे चीन पर एक दबाव बना. इससे पहले चीन की तरफसे जो संकेत मिल रहे थे, वे भारत-चीन संबंधों के लिए अच्छे नहीं थे. मौजूदा घटनाक्रम के बाद भारत-चीन संबंधों का अब एक नया दौर शुरू होनेवाला है. अप्रैल, 2020 में चीन ने जो कदम उठाया, उससे दोनों देशों के बीच वर्षों में चली आ रही जो सहमति थी, वह प्रभावित हुई. दोनों के बीच कई समझौते थे, मसलन दोनों पक्ष एलएसी के मसले पर हुए समझौतों का सम्मान करेंगे, दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ायेंगे. इसकी शुरुआत 1987 में हुई थी. साल 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने चीन का ऐतिहासिक दौरा किया था. उनके दौरे से पहले पीएन हक्सर चीन के दौरे पर गये थे. उन्होंने यह सुझाव दिया था कि दोनों देशों को अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए. आपसी सहयोग की जो शुरुआत उस दौर में हुई थी, वह अभी तक चली आ रही थी. वर्ष 2013 के बाद से चीन की तरफसे सीमा की स्थिति में परिवर्तन की कोशिशें की गयीं. हालांकि, समय-समय पर उत्पन्न तनावों का दोनों ने हल निकाल लिया. यह सहमति बनी हुई थी कि हम सीमा को शांतिपूर्ण रखेंगे, समझौतों का सम्मान करेंगे और बाकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ायेंगे, यह फ्रेमवर्क अब टूट चुका है. अब नये सिरे से आपसी सहमति पर वार्ता होगी. सीमा समस्या से निजात पाने के बाद दोनों देश, खास कर भारत इस पर गंभीरता से विचार करेगा. नये दौर में चीन की चुनौतियों से कैसे निबटा जाए, भारत इसे लेकर गंभीर है. दूसरी बात, सीमा का मुद्दा द्विपक्षीय है, लिहाजा आपसी सहमति के आधार पर ही किसी समस्या का समाधान निकाला जायेगा. बहुपक्षीय मंचों पर जब दोनों देशों के प्रमुख मिलते हैं, उस दौरान अलग-अलग मुद्दों पर वार्ता होती है. वर्तमान सीमा मुद्दे पर कोर कमांडर स्तर की वार्ता होती रही है और समय-समय पर विदेश मंत्रालय की तरफसे बयान आता रहा है. हाल में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और जी-20 का वर्चुअल सम्मेलन हुआ है. भारत का रुख स्पष्ट है कि वह इस मुद्दे का हल आपसी बातचीत से करना चाहता है. भारत और चीन कई बहुपक्षीय मंचों ब्रिक्स, एससीओ, जी-20 और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआइआइबी) में सदस्य हैं. बहुपक्षीय मंचों का अलग एजेंडा होता है. ब्रिक्स में दोनों ही देशों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है. इसमें भारत की तरफसे सक्रिय भूमिका अदा की जाती है. इसकी सफलता के लिए दोनों देशों के साथ-साथ अन्य सदस्य देश भी सक्रियता से काम करते हैं. यह उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक अहम संगठन है. कई क्षेत्रों में ब्रिक्स देश वर्ष भर चलनेवाले कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी तय करते हैं. कोरोना महामारी के चलते बीते एक वर्ष में थोड़ा ठहराव की स्थिति रही है. हालांकि, उसमें भी कई वर्चुअल इंवेंट आयोजित किये गये हैं. इसमें आर्थिकी, वैज्ञानिक शोध, कृषि समेत अनेक क्षेत्रों में पारस्परिक भागीदारी होती है. इससे सभी देशों को फायदा मिलता है. अभी भारत और चीन के संबंधों में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी है, उसमें चीन की बड़ी जिम्मेदारी और जवाबदेही है. सीमा पर तनाव की स्थिति चीन द्वारा ही उत्पन्न की गयी है. चीन ने बड़ी संख्या में सैनिकों की सीमा पर तैनाती बढ़ायी और उसने सीमा की स्थिति में परिवर्तन की कोशिश की. हालांकि, सवाल है कि आखिर चीन की इसके पीछे मंशा क्या थी और उसने ऐसा क्यों किया. कुछ दिन पहले विदेश मंत्री ने भी बयान दिया था कि चीन के इस कदम की पीछे क्या कारण थे, वह स्पष्ट नहीं हो पाया है. चीन द्वारा सैनिकों की तैनाती बढ़ाना ही पूर्व में हुए सभी समझौतों का स्पष्ट उल्लंघन है. सीमा पर शांति बरकरार रखने के लिए 1993,1996 में समझौते हुए थे. इसके बाद दोनों के बीच 2005 और 2013 के समझौते हुए थे. इन सभी समझौतों का चीन ने उल्लंघन किया. चीन ने ऐसा क्यों किया, इसका जवाब देना मुश्किल है. इसलिए, भारत की तरफ से यह कहना स्वाभाविक है कि सीमा पर शांति बरकरार रखने की जिम्मेदारी चीन की अधिक है. चीन को एक जिम्मेदारी लेनी होगी और ईमानदारी दिखानी होगी. खास कर ऐसे मौके पर जब दोनों देशों ने फिर से आपसी संबंधों की बेहतरी की दिशा में आगे बढ़ना शुरू किया है. वास्तव में स्थिति को सामान्य तथा इस वार्ता प्रक्रिया को सफल तभी माना जायेगा, जब दोनों ही पक्ष अप्रैल, 2020 की स्थिति में वापस जाएं. हो सकता है कि अभी उस स्थिति में आने में समय लगे, लेकिन जो शुरुआत हुई है, वह स्वागतयोग्य है.

मर्ज की दवा नहीं निजीकरण

सतीश सिंह

भारत के बैंकिंग इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब सरकार चार सरकारी बैंकों को बेचेगी या उनका निजीकरण करेगी. मार्च 2017 में, देश में 27 सरकारी बैंक थे, जिनकी संख्या अप्रैल 2020 में घटकर 12 रह गयी. अब चार सरकारी बैंकों- बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफमहाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहती है. इनमें बैंक ऑफइंडिया बड़ा बैंक है, जबकि अन्य तीन छोटे. बैंक ऑफइंडिया में 50,000, सेंट्रल बैंक में 33,000, इंडियन ओवरसीज बैंक में 26,000 और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 13,000 कर्मचारी कार्यरत हैं. इनकी कुल 15,732 शाखाएं हैं.

सरकारी बैंकों के निजीकरण के मूल में कोरोना काल में सरकारी राजस्व में भारी कमी आना है. सरकार विनिवेश के जरिये इस कमी को पूरा करना चाहती है. हालांकि, वित्त वर्ष 2021 में सरकार के लिए विनिवेश के लक्ष्य को हासिल करना लगभग नामुमकिन है. इसलिए, वित्त वर्ष 2021 में विनिवेश के लक्ष्य को कम करके 32,000 करोड़ रुपये किया गया है. वित्त वर्ष 2022 के लिए सरकार ने विनिवेश से राजस्व हासिल करने का लक्ष्य 1.75 लाख करोड़ रखा है, जिसमें से एक लाख करोड़ सरकारी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में सरकार की हिस्सेदारी बेचकर जुटाने का प्रस्ताव है. इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 95.8 प्रतिशत, बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 92.5 प्रतिशत, सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया में 92.4 प्रतिशत और बैंक ऑफइंडिया में 89.1 प्रतिशत है. बैंक ऑफमहाराष्ट्र और सेंट्रल बैंक में अगर सरकार अपनी हिस्सेदारी को घटा कर 51 प्रतिशत करती है, तो उसे 6,400 करोड़ रुपये मिलेंगे. इसी तरह, यदि सरकार बैंक ऑफइंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच देती है, तो उसे लगभग 28,600 करोड़ मिलेंगे. इंडियन ओवरसीज बैंक के पास सबसे ज्यादा इक्विटी कैपिटल है, जबकि बैंक ऑफइंडिया के शेयरों का बाजार मूल्य दूसरे सरकारी बैंकों से ज्यादा है. यदि सरकार दोनों बैंकों के प्रबंधन को अपने हाथों में रखते हुए अपनी हिस्सेदारी को मौजूदा कीमत पर बेचकर 51 प्रतिशत पर ले आती है, तो उसे लगभग 12,800 करोड़ मिलेंगे. माना जा रहा है कि सरकार, सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी को 51 प्रतिशत तक लायेगी और उसके बाद उसे 50 प्रतिशत से नीचे लायेगी. बैंकों को बेचने से सरकार को उसकी पूंजी वापस मिल जायेगी, इन बैंकों में और अधिक पूंजी डालने की जरूरत नहीं होगी, जिससे सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी. इसके अलावा, वित्त मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग आदि जैसे सरकारी विभागों को इन संस्थानों की निगरानी और पर्यवेक्षण की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे मानव संसाधन और धन दोनों की बचत होगी. कुछ लोग कयास लगा रहे हैं कि नये अधिग्रहणकर्ता बैंक को अधिक पूंजी वृद्धि के साथ कुशलता से चला पायेंगे. बैंकों का बेहतर मूल्य सरकार को मिलेगा. निजी शेयरधारकों को लाभ होगा. बाजार में कुछ लोगों की यह भी राय है कि भले ही सरकार बैंकों को बेचना चाहती है, लेकिन इन्हें बेचना उसके लिए आसान नहीं होगा. बैंक ऑफमहाराष्ट्र की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 31 दिसंबर 2020 को 8,072.43 करोड़ रुपये रहीं, जो 30 सितंबर 2020 को 9,105.44 करोड़ थीं.

हिमालय में अनेक पनबिजली परियोजना पर

भूस्खलन के खतरे

नंतू बनर्जी

उत्तराखंड के जोशीमठ में हाल ही में हुए विनाशकारी ग्लेशियर के प्रकोप ने इस क्षेत्र की कम से कम चार पनबिजली परियोजनाओं सहित जीवन और संपत्ति को बड़ा नुकसान पहुंचाया है, लेकिन इससे देश की भारी क्षमता का दोहन करने के लिए सरकार और उद्योग की बोली धीमा होने की संभावना नहीं है। भारत 2022-23 के अंत तक 225 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। पनबिजली विद्युत परियोजनाओं से इस क्षमता में काफी योगदान होने की उम्मीद है। हालांकि, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) अधिक सतर्क होगा और नई बिजली परियोजनाओं को सख्ती से दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए कि हिमनद झील के प्रकोप के कारण होने वाली आपदाओं से कैसे निपटें। संरचनात्मक उपाय उनके अचानक प्रकोप को रोक सकते हैं और प्रकोप के समय में जीवन और संपत्ति को बचाने के लिए तंत्र स्थापित कर सकते हैं। एनडीएमए का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनदी पीछे हटने की घटना ज्यादातर हिंदू कुश हिमालय में होती है। वहां नई ग्लेशियल झीलें उभर रही हैं। वे डाउनस्ट्रीम बुनियादी ढांचे और जीवन के लिए एक संभावित खतरा हैं। रिपोर्ट्स कहती हैं कि हिमालय क्षेत्र में हिमनद क्षेत्र में ग्लेशियल झीलों जल निकायों की सूची तैयार करने और निगरानी करने का काम जलवायु परिवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जल आयोग कर रहा है। उसने पाया कि क्रमशरू सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नालों में 352, 283 और 1,393 हिमनदी झीलें और जल निकाय हैं। एनडीएमए के दिशानिर्देश कहते हैं कि किसी भी आवास का निर्माण उच्च खतरे वाले क्षेत्र में निषिद्ध होना चाहिए। श्मौजूदा इमारतों को आसपास के एक सुरक्षित क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाना है और पुनर्वास के लिए सभी संसाधनों को केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा प्रबंधित किया जाना है। मध्यम खतरे वाले क्षेत्र में नई बुनियादी सुविधाओं को विशिष्ट सुरक्षा उपायों के साथ होना चाहिए। इसे लेकर उद्योग स्वाभाविक रूप से सतर्क है। तो केंद्र और राज्य सरकारें, पर्यावरण एजेंसियां और गैर सरकारी संगठन हैं भी सतर्क हैं। हालांकि, नई परियोजनाओं के माध्यम से मौजूदा जल विद्युत उत्पादन और विस्तार में कोई कमी नहीं होगी। चूंकि यह पनबिजली परियोजनाएं कई स्तरों पर अत्यधिक समय लेने वाली अनुमति और मंजूरी के अधीन हैं। संविदात्मक संघर्ष, पर्यावरण संबंधी चिंताएं, वित्तीय बाधाएं और अनिच्छुक खरीदार अक्सर नई परियोजनाओं के लिए लूट का कारण बनते हैं। छोटी पनबिजली परियोजनाओं (एसएचपी) को छोड़कर देश की अनुमानित जल विद्युत क्षमता 1,45,320 मेगावाट बताई गई है। हाइड्रोपावर क्षमता की पहचान मुख्य रूप से उत्तरी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में की जाती है। कहा जाता है कि अरुणाचल प्रदेश में 47 गीगावॉट की सबसे बड़ी जल विद्युत क्षमता है, इसके बाद उत्तराखंड में 12 गीगावॉट है। दुर्भाग्य से, जल विद्युत परियोजनाएं घोंघे की गति से बढ़ती हैं। इसके कारण, पिछले साल फरवरी के अंत में स्थापित जल विद्युत उत्पादन क्षमता, लगभग 45,700 मेगावाट थी। बड़े पैमाने पर प्रक्रियात्मक विलंब से समय और लागत अधिक हो जाती है। केवल एक उदाहरण के लिए, पिछले 10 वर्षों में केवल 10,000 मेगावाट जल-विद्युत शक्ति का अतिरिक्त उत्पादन संभव था। ऐसे समय में जब चीजें बढ़ने लगी हैं, जोशीमठ का हिमस्खलन एक बड़े नुकसान के रूप में आया है। देश के जल विद्युत उत्पादन में प्रमुख योगदानकर्ता हैं- नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन, एनटीपीसी लिमिटेड, पूर्वोत्तर इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन, टीएचडीसी इंडिया, सतलज जल विद्युत निगम। ये सभी सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत हैं। जयप्रकाश एसोसिएट्स, टाटा पावर और लैंको निजी सेक्टर में हैं। मेगा परियोजनाओं में शामिल हैं- 2,400 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ टिहरी परिसरय कोयना पनबिजली परियोजना (1,960 मेगावाट)य श्रीशैल डैम (1,670 मेगावाट) नाथपा झाकरी बांध (1,530 मेगावाट) और सरदार सरोवर बांध (1,450 मेगावाट)। उत्तराखंड, अरुणाचल, असम, मिजोरम और नागालैंड में 1000 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली कई परियोजनाएं हैं। उत्तराखंड का टिहरी परिसर देश में बड़े समय के पनबिजली संयंत्रों की सूची में सबसे ऊपर है। सरकार द्वारा बड़े जलविद्युत परियोजनाओं को अक्षय ऊर्जा का दर्जा देने और नए वित्त पोषण प्रावधानों सहित उपायों के एक समूह को मंजूरी देने के बाद पनबिजली उत्पादन की संभावना को 2019 में बड़ा बढ़ावा मिला। इससे पहले, केवल 25 मेगावाट की क्षमता वाली जलविद्युत परियोजनाओं को नवीकरणीय माना जाता था और वे वित्तीय सहायता और सस्ता ऋण जैसे विभिन्न प्रोत्साहनों के पात्र थे। यह ध्यान दिया जा सकता है कि हिमालयी क्षेत्र भारत के पड़ोसियों जैसे चीन, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान के लिए जलविद्युत का एक प्रमुख स्त्रोत है। परियोजनाएं सभी देशों के लिए अवसर, भौगोलिक संघर्ष और पर्यावरणीय जोखिम दोनों प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, अटकलें हैं कि लद्दाख क्षेत्र और मैकमोहन लाइन के साथ चीन की लगातार सैन्य मुद्राएं, तिब्बत और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के बीच एक सीमांकन रेखा, अब जल विद्युत के साथ ऊर्जा के बुनियादी ढांचे और पानी की आपूर्ति के लिए वास्तविक युद्धक्षेत्र से आगे निकल गई हैं। पिछले नवंबर में, चीन के राज्य के स्वामित्व वाले पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ने भारत में ब्रह्मपुत्र नदी के नाम से जानी जाने वाली यारलुंग जंग्बो नदी की निचली पहुंच पर 60 गीगावाट क्षमता तक की एक विशाल जलविद्युत परियोजना विकसित करने की योजना की घोषणा की। यह परियोजना भारत और बांग्लादेश की जल सुरक्षा को चुनौती देती है क्योंकि दोनों देश भ्रामापुटरीवर के निचले हिस्से में हैं। इसका हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर भी गहरा असर पड़ने की संभावना है। चीन, पनबिजली शक्ति का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर और मध्य धारा में कई जलविद्युत संयंत्र हैं। चीन यारलुंग जंगबो ग्रैंड कैनियन में ब्रह्मपुत्र नदी में श्ग्रेट बेंडश् के बारे में बात कर रहा है, जहां नदी 2,000 मीटर से शानदार रूप से गिरती है और अरुणाचल प्रदेश में तेजी से मुड़ती है। 2019 तक, चीन की जल विद्युत क्षमता 1,300 से अधिक टेरावाट घंटे थी। सिंधु घाटी में फैला, पाकिस्तान काफी जल संसाधनों से संपन्न है। पाकिस्तान के राज्य के स्वामित्व वाले जल और विद्युत विकास प्राधिकरण ने 60,000 मेगावाट पर इसकी जल विद्युत क्षमता का अनुमान लगाया है, जिसमें से 7,320 मेगावाट विकसित किया गया है।

कबीरियत के लिए कठिन समय

सर्वमित्रा सुरजन

उन्नाव के बबुरहा गांव में दलित समुदाय की तीन नाबालिग लड़कियों वाली घटना पर आठ ट्विटर खाते और उनके यूजर्स के खिलाफ भ्रामक खबर फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई। इस घटना में दो लड़कियों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत नाजुक है। इन ट्विटर हैंडल्स में से एक नाम श्मोजो स्टोरीश् का भी है, जिसका संचालन वरिष्ठ पत्रकार बरखा दत्त करती हैं। बरखा दत्त ने इस पर कहा कि हमने पत्रकारिता के सिद्धांतों के मुताबिक रिपोर्टिंग की और हर पक्ष के लोगों की बात रखी, इसके बावजूद एफआईआर दर्ज की गई। आईपीसी की ऐसी धाराओं का इस्तेमाल करना, जिससे जेल भेजा जा सकता है, यह स्पष्ट रूप से डराने वाला है। मैं इसके खिलाफ लड़ने और अदालत में इसे चुनौती देने को तैयार हूं। इससे पहले 26 जनवरी की ट्रैक्टर परेड के बारे में गलत जानकारी देने के लिए वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई पर उनके चौनल इंडिया टुडे ने कार्रवाई की थी। उन पर भी एफआईआर की गई थी।

हालांकि राजदीप सरदेसाई ने अपनी गलत जानकारी को दुरुस्त कर माफी भी मांग ली थी। इसी तरह हाथरस मामले में पत्रकार सिद्दीक कप्पन को भी माहौल बिगाड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ये कुछ उदाहरण हैं, उन घटनाओं के, जिनमें सत्ता को असुविधाजनक स्थिति का सामना करना पड़ा। और उसमें पत्रकारों पर कार्रवाई कर सत्ता प्रतिष्ठान ने अपनी मुश्किलों को आसान करने की कोशिश की। अब कुछ और उदाहरण देखिए- इंडिया टीवी के सर्वेसर्वा, आप की अदालत में मशहूर हस्तियों को कटघरे में खड़ा कर प्रकारांतर से उनका प्रचार करने वाले रजत शर्मा ने रामदेव की दवा कोरोनिल को लेकर ट्वीट किया। इसमें डब्ल्यूएचओ की दवा को स्वीकृति का दावा किया। लेकिन इस झूठ का जल्द ही पर्दाफाश हो गया। गलत जानकारी तो रजत शर्मा ने भी दी, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई अब तक सुनने नहीं मिली है। इसी तरह बंगाल चुनाव पर जी टीवी के एक कार्यक्रम में ग्राफिक दिया गया- बंगाल की असली बेटी कौन, इस सवाल के एक ओर ममता बनर्जी हैं, दूसरी ओर नरेन्द्र मोदी। जाहिर है जी टीवी ने लिंगभेद उन्मूलन का कोई क्रांतिकारी विचार यहां नहीं रखा, बल्कि यह ममता बनर्जी के बंगाल की बेटी वाले दावे को खारिज करने के ख्याल से बनाया गया ग्राफिक था। जिसमें कॉपी एडिटर ने ये देखना जरूरी नहीं समझा कि मोदीजी चाहे जो हो जाएं, बंगाल की बेटी तो इस जन्म में नहीं हो सकते। टीवी पर ऐसा हास्य कभी-कभी देखने मिलता है। वैसे कुछ दिनों पहले बागपत में चाट बेचने वालों की लड़ाई का दर्शकों ने सोशल मीडिया पर खूब आनंद उठाया। इसमें भूरे रंग के, कुछ घुंघराले, कुछ लटों वाले सज्जन सोशल मीडिया की नई सनसनी बन गए। लोग उनमें आइंस्टाइन से लेकर कपिल शर्मा शो वाले डा. गुलाटी की झलक देखने लग गए। सड़क पर लड़ाई का गंभीर मुद्दा चुटकुलेबाजी का विषय बन गया। पत्रकारिता का हाल भी इस वक्त ऐसा ही है। इस कठिन समय में विशुद्ध पत्रकारिता करना कठिन काम है। और उतना ही कठिन काम है पत्रकारिता के नाम पर चल रहे खेल को उजागर करना। वरिष्ठ पत्रकार डा.मुकेश कुमार ने अपनी किताब मीडिया का मायाजाल में इस कठिन काम को बखूबी साधा है। जम्हूरियत में कबीरियत की जरूरत को रेखांकित करती इस किताब में कुल 47 लेख हैं, जिनमें कम शब्दों में मीडियागरों और उनके मालिकान मीडियाघरानों की जमकर खबर ली है। डा.मुकेश कुमार के पास पत्रकारिता का तीस सालों से अधिक का अनुभव है और इस सुदीर्घ कालखंड में उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, डिजीटल सभी तरह के रूपों को करीब से देखा और बारीकी से समझा है। एक पत्रकार के पास पैनी नजर और गहरी समझ का होना अनिवार्य शर्त है। जाहिर है मुकेशजी के पास ये दोनों गुण हैं, जिसके बूते वे देश के स्वघोषित बड़े पत्रकारों से लेकर, सबसे तेज चौनलों और सबसे बड़े अखबारों के भीतर चल रहे खेल को न केवल समझते हैं, बल्कि जनता को आसान शब्दों में समझाते भी हैं। किताब में आलेखों के शीर्षक इतने धारदार और रोचक हैं कि उन्हें पढ़ते ही इच्छा जाग उठती है कि पूरा आलेख पढ़ा जाए। इतना सन्नाटा क्यों है भाई, सरकारी बूटों तले कराहती प्रसार भारती की आत्मा, कठघरे में तीस मार खां, प्रायोजित स्वच्छता अभियानों का कूड़ा-करकट, जब सरकार मुकाबिल हो, कातिलों के हाथ में कैमरे, अंधी राजनीति का अंधा कुआं, मीडिया का पैराडाइज और प्राइम टाइम की डर्टी डिबेट, कुछ उदाहरण हैं। 2016 से लेकर 2018 के बीच लिखे गए कुछ लेख इस किताब का हिस्सा बने हैं। एकाध आलेख 2014 का है और कुछ में रचनाकाल का उल्लेख नहीं है। फिर भी यह उस दौर का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जब भारतीय राजनीति के साथ-साथ मुख्यधारा के मीडिया का चरित्र भी बदल गया। या शायद मीडिया पहले ही नकली खाल ओढ़े हुआ था और उसके मुताबिक अच्छे दिन आते ही उसने अपना असली रूप दिखा दिया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाजपा की बढ़त में मीडिया की अहम भूमिका रही है। पूंजीपति, मीडिया और राजनीति का खतरनाक मिश्रण देश अपनी गिरफ्त में लेने में पूरी तरह सफल रहा। ऐसे माहौल में वो बड़े पत्रकार भी सत्ता पर बैठे लोगों के आगे साष्टांग करते नजर आए, जिन्हें देश 2014 के पहले तक तेज-तर्रार पत्रकार मानता था, माने ऐसे लोग जो प्रधानमंत्री की खिंचाई करने में भी नहीं हिचकते थे। लेकिन अब वक्त, हालात और जज्बात कैसे बदल गए हैं, इसके कई उदाहरण इस किताब में दिए गए हैं।

सपा के नेताओं के शोर मचाने पर बोले योगी जो जिस भाषा में समझेगा, उसी में समझाया जाएगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित कराने के दौरान से विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान सख्त लहजे में विपक्ष को नसीहत भी दे दी। उत्तर प्रदेश विधान मंडल के बजट सत्र में अगले वर्ष होने जा रहे विधानसभा चुनाव की ताप नजर आ रही है। विधान परिषद में बहुमत वाली समाजवादी पार्टी के नेताओं के शोर मचाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त लहजे में बोला कि समाजवादी पार्टी के सदस्य ज्यादा गर्मी न दिखाएं तो बेहतर है, हमको हर भाषा में समझाना आता है। विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण पर योगी आदित्यनाथ के संबोधन के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष की एक-दूसरे पर हमले और तीखी टीका-टिप्पणी के बीच में समाजवादी पार्टी के सदस्यों के सदन में बेहद शोरगुल करने तथा बेवजह टिप्पणी करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिफर पड़े। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माहौल को गर्मा दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के सदसय यह समझ लें, जो जिस भाषा में समझेगा, उसी में समझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सपा के लोग ज्यादा गर्मी ना दिखाएं। जो जिस भाषा को समझता है हम तो उसी में समझा रहे हैं। आप सभी लोग सदन में पहले अपना आचरण सुधारें। समाजवादी पार्टी के लोग पहले सुनने की आदत डालें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान कहा कि मैं सबके पेट का दर्द दूर कर दूंगा। कृषि कानून को लेकर किसानों के विरोध पर सपा के हंगामे के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझे पता है कौन किस भाषा को समझता है। विपक्ष को सुनने की भी आदत होना चाहिए। अब तो जो जिस भाषा में बोलेगा उसी में जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में किसानों से गेहूं खरीद कम हुई तो आप को चिंता नहीं हुई थी। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का आचरण चिंताजनक है। विधानसभा लोकतांत्रिक विचारो का केंद्र है और यहां लोकतांत्रिक तरीके से बहस होनी चाहिए। सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद होते रहना चाहिए। हमने एससी-एसटी पर विधानसभा में स्पेशल चर्चा की और संविधान दिवस पर 36 घंटे लगातार सदन की कार्यवाही चली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस टिप्पणी के बाद विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्य काफी नाराज हो गए। मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्यों को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी के दौरान कई शब्दों को लेकर नाराजगी इन सभी ने काफी नाराजगी जताई। इसके बाद विधान परिषद में विपक्ष का जोरदार हंगामा होने लगा। योगी आदित्यनाथ ने कोरोना महामारी पर कहा की सरकार ने कोविड प्रबंधन में कोई कमी नहीं की, पहले 60 टेस्ट होते थे अब 2 लाख टेस्ट प्रतिदिन हो रहे है। लॉकडाउन के समय कोरोना के खिलाफटीम वर्क से काम हुआ और श्रमिकों को पैसा और राशन किट दी गई, इस दौरान जनता के सहयोग से कोई भी भूखा नहीं रहा। कम्युनिटी किचन दवारा सभी को भोजन उपलब्ध कराया गया। कोटा में फंसे छात्रों को उनके घर पहुंचाया। डब्ल्यूएचओ ने कोविड प्रबंधन में यूपी की तारीफकी। 26 जिलों में वेंटिलेटर नहीं थे हमने सभी जिलो में वेंटिलेटर की व्यवस्था कराई और दो लाख के करीब आइसोलेशन बेड उपलब्ध कराये। यूपी के साथ-साथ हमने 27 राज्यों को सेनेटाइजर उपलध कराया। इस संकट की घड़ी में लोगों ने स्वेच्छा से दान किया। इस समय प्रदेश में केवल 2 हजार एक्टिव केस है। इस समय व्यापक रूप से वैक्सीनेशन का काम जारी है और सभी फ्रंट लाइन वारियर्स को वैक्सीन की डोज दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने इससे पहले कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों का पलायन हुआ। इनमें केवल उत्तर प्रदेश के करीब 40 लाख श्रमिक कामगार थे। इसके अलावा लगभग 60 लाख श्रमिक यूपी से होते हुए नॉर्थ ईस्ट की ओर गए। इन सभी लोगों के भोजन, उपचार और रहने की व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से की गई थी। कोरोना काल में कोटा से 14,000 बच्चों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की की बसों से सुरक्षित प्रदेश में लाया गया। प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों को भी उनके घर तक सुरक्षित पहुंचाया गया। उत्तर प्रदेश में हमने महामारी से लडने के लिए डेढ़ लाख बेड कोविड के लिए बनाए थे। नवंबर 2020 में लगभग 68,000 एक्टिव केस थे, जो घटकर आज मात्र 2,000 रह गए हैं। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला केस आया था उस वक्त टेस्टिंग क्षमता शून्य थी। आज दो लाख टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता है। कोरोना काल में जो इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश के अंदर विकसित किया गया उसमें सरकार का पैसा कम, सीएसआर व जनसहयोग की राशि का ज्यादा उपयोग हुआ है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी इस सदी की सबसे बुरी त्रासदी रही। इसके सामने दुनिया की बड़ी-बड़ी व्यवस्थाएं पस्त हो गईं, लेकिन हम सब आभारी हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिनके नेतृत्व में भारत ने दो स्वदेशी वैक्सीन पूरी दुनिया को दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति देश का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था है। प्रदेश में राज्यपाल की भी यही भूमिका है। उनके प्रति सम्मान का भाव रखना और इस संस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को और सशक्त करना, यह हर नागरिक का दायित्व है। मैं आभारी हूं सभी माननीय सदस्यों का, जिन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण पर अपनी बातों को सदन में रखा। हम सभी का हृदय से स्वागत करते हैं। उत्तर प्रदेश विधान सभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपना सम्बोधन करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। अभिभाषण के दौरान कहा की संवैधानिक कर्तव्यों पर चर्चा हो और संवैधानिक प्रमुखों का सम्मान होना चाहिए। राष्ट्रपति,न्यापालिका के खिलाफटिप्पणी नहीं होनी चाहिए।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच ने एनपीएस व निजीकरण के विरोध में नेता प्रतिपक्ष को दिया ज्ञापन

लखनऊ। अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश में 20 फरवरी से 10 मार्च तक जन प्रतिनिधियों को एनपीएस व निजीकरण के विरोध में पूरे प्रदेश में ज्ञापन दिए जा रहे हैं इसी क्रम में आज नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार 'बन्धु' के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु ने नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी को बताया कि केंद्र सरकार की नौकरियों में 1 जनवरी 2004 तथा उत्तर प्रदेश सरकार की नौकरियों में एक अप्रैल 2005 से शिक्षकों कर्मचारियों अधिकारियों को दी जाने वाली सामाजिक सुरक्षा पुरानी पेंशन व्यवस्था (ओपीएस) को समाप्त कर बाजार आधारित नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) लागू कर दी गई है जो ना तो शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों के हित में है और न ही प्रदेश व देश के हित में है। अटेवा एनपीएस व निजीकरण का पुरजोर विरोध करता है। विजय बन्धु ने बताया कि सरकारी संपत्तियां देश की धरोहर हैं। सरकारी संस्थान रोजगार सृजन के माध्यम है। सरकारी संस्थान हमारे देश के गौरव हैं इन संस्थानों का निजीकरण किया जाना देश के लिए अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इन संस्थाओं की परिसंपत्तियां एवं उनमें कार्यरत कर्मचारी देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं जिनको निजी हाथों में सौंपना उचित नहीं है। निजीकरण से जनता का शोषण तथा प्राइवेट कंपनियों को लाभ होगा। जो कि लोक कल्याणकारी राज्य की संकल्पना के खिलाफहै। प्रदेश महामंत्री डा0 नीरज पति त्रिपाठी ने कहा कि सरकारी संस्थायो व सरकारी नौकरियो का खत्म करना युवाओ के साथ धोखा है। सरकारी कर्मियो की सुविधाओं मे लगातार कटौती की जा रही है जो अनुचित है। प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि पुरानी पेंशन की बहाली के लिए पूरे प्रदेश में 20 फरवरी से लेकर 10 मार्च तक एनपीएस और निजीकरण के विरोध में प्रदेश भर के जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया जा रहा है। इसी क्रम में अंबेडकर नगर के सांसद रितेश पांडे को प्रदेश सलाहकार राकेश रमन व संजय उपाध्याय द्वारा, लोकसभा नगीना के सांसद गिरीश चंद को प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रहास सिंह द्वारा, आप के नेता राज्य सभा सदस्य संजय सिंह को रामेन्द्र श्रीवास्तव,रजत प्रकाश व सचिंदानंद मिश्र द्वारा सहित पूरे प्रदेश में सभी जनपतिनिधियो को ज्ञापन देकर दचे व निजीकरण के खिलाफसमर्थन मांगा जा रहा है। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने हजरत अली के जन्म दिवस पर शुभकामनाएं दीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरत अली के जन्म दिवस पर प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हजरत अली ने आपसी सद्भाव एवं सामाजिक समरसता का जो सन्देश दिया, वह सभी के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी हजरत अली की शिक्षाएं पूरी तरह प्रासंगिक हैं।

मुख्यमंत्री ने हजरत अली के जन्म दिवस पर आयोजित किये जाने वाले समस्त कार्यक्रमों में कोविड-19 के प्रोटोकॉल तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पूर्ण पालन करने की अपील की है।

3500 करोड़ के बाइक बोट घोटाले में बीएन तिवारी गिरफ्तार, 50 हजार का थी इनामी

लखनऊ। यूपी एसटीएफ ने लगभग 3500 करोड़ के बाइक बोट घोटाले का एक और अहम अभियुक्त और 50 हजार का इनामी बीएन तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। इस घोटाले की जांच ईओडब्ल्यू कर रहा था। बीएन तिवारी एक निजी न्यूज चौनल का मालिक भी है। आपको बता दें कि बाइक बोट घोटाला नोएडा का सबसे बड़ा घोटाला है, जिसके शिकार हुए लोगों की संख्या आठ लाख से भी अधिक आंकी जा रही है। इस घोटाले को 42 हजार करोड़ से अधिक का आंका जाता है। इस मामले की जांच भी अनेक एजेंसियों द्वारा की जा रही है। नोएडा क्राइम ब्रांच भी इस मामले से जुड़े 12 मुकदमों की जांच कर रही है। बाइक बोट घोटाले में आरोपियों की संख्या भले ही 100 के पार पहुंच गई हो लेकिन जांच एजेंसियों द्वारा अभी तक सिर्फ23 आरोपियों को ही गिरफ्तार किया जा सका है। फरवरी 2020 से इस प्रकरण की जांच में जुटी ईओडब्ल्यू ने सबसे अधिक 11 आरोपियों की गिरफ्तारी की है। जांच एजेंसियों को अब संजय भाटी की पत्नी दीप्ती बहल और बिजेंद्र हुड्डा, लोकेंद्र और भूदेव की सबसे अधिक तलाश है, जिन्हें घोटाले की सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। इस घोटाले में दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों की मानें तो करीब 11 राज्यों में बाइक बोट घोटाले को लेकर अभी तक मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और इनकी संख्या 700 से अधिक है। इनमें नामजद आरोपियों की संख्या भी अब 100 के पार पहुंच चुकी हैं। लेकिन अभी तक एक चौथाई आरोपियों की गिरफ्तारियां भी जांच एजेंसी नहीं कर सकी हैं।

ऑरा ने मिलेनियल्स के लिए नया आकर्षक कलेक्शन लॉन्च किया

लखनऊ। डायमंड ज्वैडलरी में भारत के प्रमुख और सबसे विश्वसनीय ब्रैंड ऑरा ने डिजायर्ड कलेक्शन पेशकर अपने पोर्टफोलियो में नई कैटिगरी को जोड़ा है। यह कलेक्शन मिलेनियल्स पर लक्षित है। डिजायर्ड की पेशकश के साथ ऑरा ने युवा भारतीय महिला उपभोक्ताओं के लिए अपनी समकालीन ज्वैलरी रेंज का विस्तार किया है। ऑरा ब्रैंड की पेशकश के साथ ही दिशा पाटनी को ब्रैंड का एंबेसेडर बनाने की घोषणा की गई। लॉकडाउन में ऑरा ने ब्रैंड के प्रति समर्पित उपभोक्ताओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी देखी। कंपनी ने 2021 में अपने प्रॉडक्ट्स के प्रति आकर्षित होती युवा महिलाओं पर फोकस करते हुए अपने टॉपलाइन प्रॉडक्ट्स की बिक्री में सकारात्मक बढ़ोतरी की भविष्यवाणी की थी। डिजायर्ड कलेक्शन उन फैशनेबल आधुनिक महिलाओं को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ज्वैलरी को अपने फैशन स्टेटमेंट और स्टाइल का हिस्सा मानती हैं जिससे उनकी शख्सियत में निखार आए। 100 से ज्यादा नए स्टाइल के साथ रोज गोल्ड और डायमंड्स में बेहतरीन, जबर्दस्त और विविधतापूर्ण ज्वैलरी कलेक्शन पेश किया गया है। इस कलेक्शन को 14 कैरेट गोल्ड में बनाया गया है। इसके साथ ही इसमें ईयररिंग्स और रिंग्स लॉन्च की गई है। इस प्रॉडक्ट कैटेगरी में यह ऑरा की पहली पेशकश है।डिजायर्ड की पेशकश और ब्रैंड एंबेसेडर की घोषणा पर ऑरा के प्रबंध निदेशक दीपू मेहता ने बताया, ''चूंकि हमने डिजाइन लीडरशिप और प्रॉडक्ट इनोवेशन ने मार्केट लीडर के तौर पर दूसरी कंपनियों को नई राह दिखाई है इसलिए समकालीन ज्वैलरी की श्रेणी में विस्तार करना हमारे लिए स्वाभाविक ही था हम युवा महिला उपभोक्ताओं की बढ़ती तादाद की बात कर रहे हैं जो अपने वार्डरोब और कपड़ों समेत प्रत्येक चीज की खरीदारी अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखकर ही करती हैं। हमारे नए कलेक्शन डिजायर्ड में इन्हीं सब बातों का ध्यान रखा गया है। डिजायर्ड रेंज के महत्वपूर्ण लॉन्च के साथ ही ब्रैंड की एंबेसेडेर के रूप में दिशा पाटनी को नियुक्त किया गया है। ऑरा के फेस के रूप में हम दिशा पाटनी से साझेदारी कर वाकई बेहद खुश हैं। वह इस कलेक्शन की पेशकश के लिए स्वाभाविक रूप से काफी परफेक्ट हस्ती थी क्योंकि वह मॉर्डर्न महिलाओं की शख्सियत का शानदार ढंग से प्रतिनिधित्व करती हैं जो सबसे अलग हटकर स्पेशल स्टाइल प्रगतिशील विचारों और अपने साहसी इरादों के साथ समाज में अपनी अलग पहचान बना रही है। ऑरा से जुड़ने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए दिशा पाटनी ने कहा, ''ऑरा फाइन ज्वैलरी का हिस्सा बनकर वाकई में काफी उत्साहित हूं। किसी ऐसे ब्रैंड को प्रमोट करने या उसका प्रतिनिधित्व करना वाकई काफी अच्छा लगता है जो आपकी पर्सनैलिटी के काफी नजदीक हो। डिजायर्ड कलेक्शन मेरी पर्सनल स्टाइल का परफेक्ट ढंग से प्रतिनिधित्व करता है इस कलेक्शन के डिजाइन काफी अनोखे बेहतरीन और लेटेस्ट ट्रेंड के हैं मैं महसूस करती हूं कि आजकल की युवा महिलाओं की संवेदनशीलताओं को ऑरा ने बखूबी समझा है इसके साथ ही ब्रैंड ने महिलाओं के अपने आप में कंफर्टेबल महसूस करने की जरूरत की ओर भी कंपनी ने काफी ध्यान दिया है। इससे मेरा ब्रैंड के साथ जुड़ना और ज्यादा उद्देश्यपूर्ण और सार्थक हो गया है। मैं इस साझेदारी से काफी खुश हूं।

उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फबोर्ड के चुनाव का मतदाता सूची प्रकाशित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फबोर्ड के चुनाव के लिए नामित चुनाव अधिकारी शिवाकांत दिवेदी (विशेष सचिव अल्पसंख्यक कल्याण और अवकाफ विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) ने सूचित किया है कि उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फबोर्ड की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिस के अंतर्गत मतदाता सूची आज 25 फरवरी, 2021 को प्रकाशित कर दी गयी है। जिसे उत्तर प्रदेश सुन्नी केंद्र वक्फ बोर्ड के कार्यालय स्थित 3 ए मॉल एवेन्यू में चस्पा कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाता सूची पर आपत्तियां 26 फरवरी 2021 से 28 फरवरी 2021 तक सुबह 11 से शाम 5 बजे तक दर्ज की जा सकती हैं। 2 मार्च 2021 तक प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करते हुए अंतिम मतदाता सूची 3 मार्च, 2021 को प्रकाशित की जाएगी। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 4 मार्च है और नामांकन वापस लेने की तारीख 5 मार्च है। इच्छुक उम्मीदवारों की सूची 6 मार्च को प्रकाशित की जाएगी।

योगी ने 16 जनपदों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना तेजी से संचालित करने के दिये निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 जनपदों में पी0पी0पी0 मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना की कार्यवाही को तेजी से संचालित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 59 जनपदों में राजकीय अथवा निजी मेडिकल कॉलेज स्थापित है। मेडिकल कॉलेज से असेवित 16 जनपदों में पी0पी0पी0 मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर एक बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो जाने के बाद प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें अत्यन्त सुदृढ़ हो जाएंगी। सम्बन्धित जनपदों की जनता को उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवायें सुगमतापूर्वक उपलब्ध होने लगेंगी। बैठक में अवगत कराया गया कि 16 असेवित जनपदों में मेडिकल कॉलेजों की पी0पी0पी0 मोड पर स्थापना के प्रस्ताव प्राप्त करने के लिये शीघ्र विकासकर्ता की नियुक्ति की जायेगी। विकासकर्ता की नियुक्ति हो जाने के पश्चात परियोजना हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिये कृत संकल्पित है। राज्य विश्वविद्यालय से असेवित मण्डलों में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी।

पुरू की बहादुरी एवं वचन प्रतिबद्धता को दर्शाता उर्दू नाटक 'पोरस'

समाज की विभिन्न विधाओं से जुड़ी विभूतियां हुयी सम्मानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी एवं फ्रेण्ड्स एण्ड फ्रेण्ड्स एसोसिऐशन के संयुक्त तत्वाधान में ठाकुर प्रसाद सिंह द्वारा लिखित एवं वामिक खान और युसूफ खान द्वारा निर्देशित ऐतिहासिक उर्दू नाटक 'पोरस' का सफल आयोजन किया गया। यूनानी आक्रान्ता सिकन्दर से भारतीय राजा पुरू के साहसिक युद्व पर आधारित इस नाटक का मंचन गुरूवार की शाम को गोमती नगर स्थित बीएनए के थ्रस्ट थियेटर में किया गया। द्वीप प्रज्जवलन से कार्यक्रम की शुरूआत करते हुये सर्वप्रथम समाज की विभिन्न विधाओं से जुड़ी विभूतियों में कथक व भरतनाट्यम शास्त्रीय नृत्य का विश्व रिकार्ड बनाने वाले विवेक वर्मा (कला उन्नयन), जुबैर अहमद, शाहीद सिद्दीकी (पत्रकारिता), विनय पाण्डे (फोटो पत्रकारिता), अचार्य राजीव शुक्ला (ज्योतिष), अनुराग श्रीवास्तव, नसीम एहमद सिद्दीकी (शिक्षा), सनी मलिक (एक्जीबिशन), राजीव प्रभास 'साहिर' (लेखन), मोहम्मद सैफ (फिल्म प्रोडक्शन), विनय पाण्डे (फोटो पत्रकारिता), शहजादे कलीम (सोशल एक्टिविस्ट) के साथ आजाद हाफिज, राजेश जयसवाल, अनिल द्विवेदी (समाज सेवा) व अन्य को पोरस अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अगले प्रसून में नाटक की शुरूआत होती है इतिहास के उस अध्याय से जब सिकन्दर सिन्धु घाटी को पार करता हुआ भारत के तक्षशिला पहुँचता हैं और वहां के राजा आम्भी के साथ अन्य राजा महाराजा भी उसकी ताकत के डर से उसकी इतात को कबूल कर लेते है। किंतु वीर राजा पुरू उसके सामने झुकने से इन्कार कर देते है। तब सिकंदर विभिन्न चालें चलकर राजा पुरू को पराजित कर उन्हें बंदी बना लेता है। नाटक के अंत में सिकंदर राजा के पुरू के प्रभावशाली एवं साहस से पूर्ण व्यक्तित्व से प्रभावित हो उनका राज्य उन्हें वापस सौंप कर अपने वतन यूनान लौट जाता है। नाटक में राजा पुरू की बहादुरी एवं वचन प्रतिबद्धता के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि हिम्मत एवं सच्चाई से बड़ी से बड़ी जंग को जीता जा सकता है। मंच पर पोरस-उदयवीर सिंह, सिकन्दर-यूसूफ खान, रूखसाना-डा.इफ्फत रूखसार, प्रार्थना-तान्या सूरी एवं राजा आम्भी-नरेन्द्र पंजवानी मुख्य भूमिकाओं में नजर आये। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में स्नातक सदस्य विधान परिषद इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह के साथ अपर्णा बिष्ट यादव व कला प्रेमी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन के सचिव संजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न देकर किया। नाटक के निर्देशक वॉमिक खान ने कलाकारों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

युवा मंच के नेताओं को जमानत मिलना जनांदोलन की जीत: आइपीएफ

लखनऊ। रोजगार के अधिकार के लिए आंदोलन की अगुवाई करने वाले युवा मंच के संयोजक राजेश सचान, अध्यक्ष अनिल सिंह व अमरेन्द्र सिंह को आज जमानत मिलने को आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने जनांदोलन की जीत बताया। आज लिए राजनीतिक प्रस्ताव में आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने कहा कि रोजगार को मौलिक अधिकार बनाने, उत्तर प्रदेश समेत देश में खाली पड़े 24 लाख पदों पर भर्ती चालू करने, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में पीईटी की व्यवस्था पर रोक लगाने और 6 माह में रिक्त पदों को भरने जैसे सवालों पर युवाओं का आंदोलन जारी रहेगा। युवाओं की मांगे वाजिब है और युवा आंदोलन को आइपीएफ हर सम्भव मदद देता रहेगा। यह राजनीतिक प्रस्ताव आइपीएफ नेता दिनकर कपूर ने प्रेस को जारी किया। प्रस्ताव में कहा गया कि योगी सरकार एक तरफ करोड़ों रोजगार देने की घोषणा करती है वहीं दूसरी तरफ युवा मंच समेत तमाम संगठनों व प्रतियोगी छात्रों द्वारा मांग करने के बावजूद सरकार ने शिक्षकों व तकनीकी संवर्ग के लाखों खाली पदों को भरने का विज्ञापन आज तक नहीं निकाला। हद यह है कि अधीनस्थ चयन बोर्ड जैसी परीक्षाओं के लिए अनावश्यक रूप से अर्हता परीक्षा यानी पीईटी ला रही है। इसी तरह योगी सरकार ने गैरकानूनी ढंग से काम के घंटें बारह कर दिए थे जिसे वर्कर्स फ्रंट द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट में हस्तक्षेप के बाद सरकार को वापस लेना पड़ा था। यहीं सब वे कारण है जिससे छात्रों और नौजवानों में गहरा विक्षोभ अंदर से है जो कल हजारों की संख्या में नौजवान जिसमें बड़ी संख्या युवतियों की थी, के प्रदर्शन में शामिल होने में दिखाई दिया। आज भी युवा मंच के नेताओं के जमानत में जिस तरह से इलाहाबाद के छात्रों, नौजवानों और वकीलों ने पहल ली वह इस बात को दर्शाता है कि लोग इस सरकार के लगातार जारी दमन से आजिज आ गए है। प्रस्ताव में कहा यह जनांदोलनों का दौर है क्योंकि वित्तीय पूंजी सम्राटों और कारपोरेट के मुनाफे के लिए विकास का जो रास्ता लिया गया उसने किसान, मजदूर, युवा, छोटे मझोले व्यापारी सबको तबाह कर दिया है। तीनों काले कृषि कानूनों को वापस लेने और एमएसपी के लिए कानून बनाने के लिए किसानों का आंदोलन जारी है। रोजगार के अधिकार के लिए और रिक्त पदों की भर्ती के लिए नौजवान आंदोलनरत है। मजदूर वर्ग भी अपने अधिकारों पर हमले के खिलाफ आंदोलन में उतर रहा है। इसलिए आज जरूरत है कि यह सभी आंदोलन एक साथ मिलकर लड़े। इसके अलावा आज पूरे प्रदेश के युवाओं व युवा संगठनों और आइपीएफ कार्यकर्ताओं द्वारा योगी सरकार द्वारा छात्रों नौजवानों के साथ की गई इस तानाशाही पूर्ण दमनात्मक कार्यवाही के विरूद्ध और जेल भेजे गए युवा मंच के संयोजक राजेश सचान, अध्यक्ष अनिल सिंह व अमरेन्द्र सिंह की बिना शर्त रिहाई के लिए मुख्यमंत्री के नाम पत्र भेजे। युवा हल्ला बोल और युवा शक्ति संगठन ने भी अपना प्रतिवाद दर्ज किया।

राखी सावंत ने कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान शेयर की मां की तस्वीरें, फैंस और सेलिब्रिटीज भी हो गए इमोशनल

ड्रामा क्वीन से एंटरटेनमेंट क्वीन बनी राखी सावंत अभी बिग बॉस के घर से बाहर आई है। शो के दौरान उनकी पर्सनल लाइफका अक्सर जिक्र हुआ जिससे पता चला की उनकी मां की हेल्थ कुछ ठीक नहीं है। राखी सावंत की मां को कैंसर है और उनका ट्रीटमेंट चल रहा है। अब राखी ने अपनी मां की कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की है जिसे देखकर आपका दिल भी सहम जाएगा। साथ ही राखी सावंत ने सभी फैंस से एक गुजारिश भी की है। राखी सावंत ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीर में आप देख सकते हैं उनकी मां काफी बीमार नजर आ रही हैं। तस्वीर को शेयर करते हुए राखी ने लिखा, प्लीज मेरी मां के लिए प्रार्थना कीजिए, वो कैंसर ट्रीटमंट से गुजर रही हैं। उनकी इस पोस्ट पर जहां उनके फैंस दुआ मांग रहे हैं, तो

वहीं कुछ सेलेब्स ने भी कमेंट कर उनको हौसला दिया है। राखी के कई सेलिब्रिटी दोस्तो ने कमेंट कर कहा कि उनकी मां जल्द ही ठीक हो जाएंगी। वहीं काम्या पंजाबी राखी के इस पोस्ट को देखकर काफी इमोशनल हो गई और उन्होंने राखी के इंस्टाग्राम पोस्ट का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा-बिग बॉस 14 फिनाले के बाद ये राखी का पहला पोस्ट है, मैं पूरी तरह सुन्न हूं मेरे पास शब्द नहीं हैं। किसी ऐसे ने जिसने पिछले कुछ महीनों में इस दुनिया का इतना मनोरंजन किया, वो इन हालातों से गुजर रही थी ? क्या आप सोच सकते हैं? कोई तुझसे क्या मुकाबला करेगा राखी सावंत, तू सबसे ऊपर सबसे अनोखी निकली... तुम असल जिंदगी में एक विजेता हो आपको बता दें बिग बॉस के ग्रैंड फिनाले के दौरान राखी ने 14 लाख रुपये लेकर शो छोड़ने का फैसला लिया था। राखी का बिग बॉस घर में आने का अहम कारण उनका कमबैक ही था क्योंकि काफी समय से उनका करियर डाउन चल रहा है। राखी ने बिग बॉस के घर में एक चौलेंजर के तौर पर एंट्री की थी, जहां वे टॉप 5 में जगह बना पाईं। बिग बॉस के घर से पैसे लेकर राखी ने बताया था कि उन्हें पैसों की जरुरत है क्योंकि उन्हें अपनी मां का इलाज करने के लिए खूब सारे पैसे चाहिए।

मालदीव के समंदर किनारे टू पीस में दिखीं शिल्पा शेट्टी, दिला रहीं चुरा के दिल मेरा गाने की याद

शिल्पा शेट्टी ने मालदीव से एक बेहद ग्लैमरस तस्वीर शेयर की है, जो उनके सॉन्ग श्रुरा के दिल मेरा गोरिया चली की याद दिला रहा है। इस तस्वीर में शिल्पा का अंदाज मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के इसी गाने वाले लुक से काफी मिलता-जुलता दिख रहा है। शिल्पा शेट्टी मालदीव की इस तस्वीर में टू पीस में नजर आ रही हैं, जिसमें वह ऐनिमल प्रिंट वाली ऐसी ही ड्रेस में नजर आई थीं। इस तस्वीर में शिल्पा समंदर किनारे बैठी ठमंबी का मजा लेती दिख रही हैं। शिल्पा की इस तस्वीर पर लोग उन्हें गॉरजस और ब्यूटिफुल कह रहे हैं। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ और तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपनी फ्रेंड अकांक्षा और पति राज कुंद्रा के साथ इंजॉय करती नजर आ रही हैं। शिल्पा ने इससे पहले एक मजेदार वीडियो शेयर किया.

ये रिश्ता क्या कहलाता है' कपल रोहन मेहरा और कांची सिंह के बीच ऐसा क्या हुआ की 5 साल बाद करना पड़ा ब्रेकअप

चाहे टीवी हो या बॉलीवुड सेलेब्स की पर्सनल लाइफमें हमेशा फैंस का इंटेरेस्ट बना रहता है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अक्सर सेलेब्स के अफेयर से लेकर उनके ब्रेकअप तक की खबर मीडिया तक पहुंच ही जाती है। सेलेब्स कुछ भी छुपाने की कोशिश कर ले लेकिन ऐसी बाते छुपाये नहीं छुपती। ऐसे में अब टीवी दुनिया के एक मशहूर कपल के ब्रेकअप की खबरे सुर्खियों में छाई हुई है और ये कोई और नहीं बल्कि 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम रोहन मेहरा और कांची सिंह हैं। आपको बता दे, दोनों पिछले 5 सालों से एक दूसरे के साथ रिलेनशिप में थे। दोनों की डेटिंग की खबरें खूब चर्चा में रहीं थीं। वहीं फैंस को इनकी क्यूट जोड़ी बेहद पसंद थी। अब इनके ब्रेकअप की खबरें उनके फैंस के लिए एक बड़ा झटका है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, रोहन मेहरा और कांची सिंह के बीच बीते कुछ वक्त से अनबन चल रही थी। वहीं छोटी-छोटी चीजों को लेकर होने वाली लड़ाई, इनके अलग होने का कारण बनी है। इसी के बाद ही दोनों ने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। वहीं एक्ट्रेस कांची सिंह ने इस मुद्दे पर खुलकर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन ये जरूर कहा कि मेरे अंदर किसी के लिए कोई बुरी बात नहीं है। मैं अपनी लाइफमें खुश हूं। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहती। आपको बता दें कि हाल ही में वैलेंटाइन्स डे के मौके पर कांची सिंह ने खुद की फोटो शेयर करते हुए एक खास कैप्शन लिखा था। उन्होंने लिखा था, हैप्पी वैलेंटाइन्स डे, इस वैलेंटाइन्स डे के मौके पर मैंने तय किया है कि मैं खुद से और भी ज्यादा प्यार करूंगी। वहीं दूसरी तरफरोहन मेहरा ने भी खुद को वैलेंटाइन्स डे पर गाड़ी गिफ्ट करते हुए लिखा था, खुशी का सबसे पहला सीक्रेट होता है खुद से प्यार करना। अब इन दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट देखकर तो यही लग रहा है की कुछ तो गड़बड़ है।

सेक्रेड गेम्स की इस एक्टर्स के कमरे में एक शख्स ने की घुसने की कोशिश, पुलिस ने किया अरेस्ट

पॉपुलर वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आई एक्टर्स एलनाज नौरोजी से जुडी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। एक्ट्रेस के साथ हाल ही में एक बड़ा हादसा हो गया जिसे सुन आप भी चौंक जायेंगे। दरअसल, हाल ही में एलनाज को गोवा में अजीबो गरीब हालातो का सामना करना पड़ा। बता दे, वो गोवा में दो प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए आई थीं। शो खत्म होने के बाद उन्होंने कुछ दिनों अपने दोस्त के साथ यहां रुकने का फैसला किया।

पिंक साड़ी पहनकर नोरा फतेही ने लोगों को किया अपना दीवाना

बॉलीवुड की मशहूर डांसर और अभिनेत्री नोरा फतेही की खूबसूरती का हर कोई कायल है और हो भी क्यों नहीं आखिर नोरा एक फैशन आइकन जो हैं। साड़ी हो या हाई स्लिट गाउन अभिनेत्री के फैंस को उनके यह दोनों ही लुक बहुत पसंद आते हैं। दरअसल अभिनेत्री हाल ही में बिग बॉस 14 के फिनाले में शिरकत की थी, जहां पर वो पिंक कलर की साड़ी पहने दिखाई दी थी। इतना ही नहीं बिग बॉस फिनाले में नोरा फतेही ने अपने डांस का जबरदस्त जलवा भी बिखेरा और खूब मस्ती भी करती नजर आई थी। वैसे कुछ भी हो पिंक साड़ी में नोरा बहुत खूबसूरत दिखाई दे रही थीं। नोरा ने इस पिंक साड़ी के साथ स्टेटमेंट पर्ल इयररिंग्स कैरी किए हुए थे। वहीं मेकअप की बात करें तो अभिनेत्री ने गुलाबी आईशैडो और साड़ी से मैच करती हुई पिंक लिपस्टिक लगाई थी। अपनी लुक और गार्जियस बनाने के लिए उन्होंने बालों को खुला छोड़ रखा है। वैसे इस बात में कोई दोराए नहीं कि नोरा फतेही बिल्कुल अलग अंदाज और स्टाइल में दिखाई दे रही हैं। वैसे नोहरा फतेही के पिंक साड़ी लुक पर उनके फैंस खूब प्यार लूटा रहे हैं। नोरा ने बिग बॉस 14 फिनाले में जो साड़ी कैरी की थी वो एक मशहूर फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी द्वारा डिजाइन की गई है और इस साड़ी की कीमत करीब 69,900 रुपए है। साड़ी की डिजाइनिंग की बात की जाए तो साड़ी के पल्लू पर बारीक कढ़ाई की हुई है। इसके साथ ही नोरा ने स्लीवलेस बोट-नेक मैचिंग कलर ब्लाउज पहना हुआ है। बताते चले कि नोरा फतेही ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म रोर-टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स से किया था। इसके बाद अभिनेत्री ने तेलुगु फिल्म टेंपर में काम किया। लेकिन नोरा को डांस करना ज्यादा पसंद है और वही उनकी पहली पसंद भी है। तभी नोरा फतेही की डांस को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। इंडिया में तो नोरा की पहचना अभिनेत्री के तौर पर इतनी ज्यादा नहीं जितना की लोग उनके डांस के दीवाने हैं। वैसे नोरा कई सारे गानों में अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस दे चुकी हैं

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा सीता आफसेट हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No.
UPHIN/2010/33668
Email Id.
andazelucknow@gmail.com
उप सम्पादक: मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला,
छायाकार : सदफ हसन ¼शान½
समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।